दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) द्वारा वित्त-पोषित

दिनांक: 2-3 दिसम्बर, 2025

विषय: भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य में नारी का पुनरावलोकन

Topic: **"Re/presentation of Women in Indian Literatures"**

जम्मू विश्वविद्यालय के बारे में :

जम्मू विश्वविद्यालय की स्थापना 1969 में जम्मू और कश्मीर विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत हुई थी। इसे भारत के राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा 'A++' ग्रेड (CGPA: 3.72) विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्राप्त है। हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) में इसे 51वां स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा इसे उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने के लिए स्वायत्तता भी दी गई है और ग्रेडेड स्वायत्तता के अनुसार, इसे श्रेणी-I विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता मिली है। जम्मू विश्वविद्यालय मुख्यतः एक अनुसंधान, शिक्षण, संबद्धता और परीक्षा निकाय है जो कला, विज्ञान, वाणिज्य और ज्ञान की अन्य शाखाओं के संवर्धन में संलग्न है। यह उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण और अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधाएं प्रदान करता है। जम्मू विश्वविद्यालय का उद्देश्य मानवता आधारित शिक्षा प्रदान करना है।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के बारे में (CDOE):

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (CDOE), जिसे पहले दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के रूप में जाना जाता था, की स्थापना 3 मार्च 1976 को जम्मू विश्वविद्यालय में की गई थी। वर्तमान में इस केंद्र में तीन स्नातक पाठ्यक्रम- कला, वाणिज्य और शिक्षा, दस स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम- हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी, डोगरी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, शिक्षा के साथ-साथ दो ऑनलाइन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम- अंग्रेजी और वाणिज्य चल रहे हैं। केंद्र (CDOE) का लक्ष्य दूरस्थ शिक्षा में सीखने वालों को लचीली, सुलभ और उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना, नवाचार को बढ़ावा देना और सामाजिक विकास में योगदान देने के साथ-साथ छात्रों को वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य:

भारतीय साहित्य में- वेदों, पुरानों, उपनिषदों जैसे धर्म ग्रन्थ, रामायण, महाभारत जैसे महाकाव्य तथा स्थानीय रचनाएँ मिलती हैं जो नारी के अनुभवों और सामाजिक स्थितियों को रेखांकित करती हैं। राजनीतिक व्यवस्थाओं, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक परम्पराओं के चलते नारी के स्थान, अधिकार और अवसर प्रायः बदलते रहे हैं। प्राचीनकाल में जहाँ नारी को देवी, अबला, पीड़िता व त्याग की मूर्ति के रूप में चित्रित किया वहीं उसके संघर्ष और सामाजिक अन्याय को भी सीमित रूप से अभिव्यक्ति मिली। शिक्षा व जागरूकता ने सामाजिक मानसिकता को परिवर्तित किया जिससे नारी की स्थिति में परिवर्तन आया। फलस्वरूप भारतीय साहित्य ने नारी के सशक्त, आत्मनिर्भर व जागरूक रूप को भी सशक्त अभिव्यक्ति दी। नारी की स्थिति का पुनरावलोकन समाज के दृष्टिकोण में बदलाव ला उन्हें अधिक सम्मानजनक व न्यायपूर्ण स्थान दिलाने में सहयोग कर रहा है। इसी नवीन दृष्टिकोण को भारतीय साहित्य ने भली-भांति अपनाया है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय साहित्य में नारी की पारंपरिक छवियों का विश्लेषण करना, आधुनिक एवं समकालीन साहित्य में नारी के पुनरावलोकन की प्रवृत्तियों की पहचान करना, दलित, आदिवासी व अल्पसंख्यक नारियों के साहित्यिक प्रतिनिधित्व की स्थिति को समझना होगा। यह सम्मेलन न केवल साहित्यिक विमर्श को समृद्ध करेगा बल्कि नारी दृष्टिकोण से साहित्य को पुनः समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी सिद्ध होगा। जम्मू विश्वविद्यालय के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र में बहुभाषिक पाठ्यक्रम चल रहे हैं, इसी संदर्भ में दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र, जम्मू विश्वविद्यालय, इस सम्मेलन में भारतीय साहित्यकारों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर नारी जीवन के विविध पहलुओं पर विमर्श करने हेतु सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। आशा है कि यह प्रयास शिक्षकों, लेखकों, शोधार्थियों और पाठकों को नारी विषयक नई दृष्टि देगा।

विषय: भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य में नारी का पुनरावलोकन

Topic: **"Re/presentation of Women in Indian Literatures"**

उप विषय:

Sub Topic:

- भारतीय साहित्य की विभिन्न विधाओं में नारी चित्रण
  (Portrayal of Women in various Genres of Indian Literature)
- स्त्री-विमर्श और साहित्यिक आंदोलन
  (Women's Discourse and Literary Movement)
- महिला रचनाकारों का योगदान

(Contribution of Women Writers)

- पितृसत्ता और नारी अस्मिता
  (Patriarchy and Women's Identity)
- समकालीन साहित्य में नारी विमर्श
  (Women's Discourse in Contemporary Literature)
- साहित्य में नारी सशक्तिकरण और सामाजिक प्रभाव
  (Women's Empowerment and Social Impact in Literature)
- भिन्न-भिन्न भाषाओं/अंचलों के साहित्य में नारी दृष्टि
  (Women's Perspective in the Literature of different Languages/Regions)
- वैश्विक साहित्य और स्त्री
  (World Literature and Women)
- कामकाजी नारी की स्थिति
  (Status of Working Women)
- नारी आत्मकथा, जीवनी व संस्मरण
  (Women's Autobiography, Biography and Memoirs)

उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त नारी साहित्य से संबंधित अन्य विषय भी स्वीकार्य होंगे।

Besides the above sub themes, other related themes to Women's Literature are also welcome.

प्रपत्र प्रस्तुति के लिए आमन्त्रण:
(Invitation for Submission of Research Paper)

हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी और डोगरी भाषाओं में प्रपत्र प्रस्तुति के लिए आमन्त्रित हैं। **शोध सारांश** (पाँच कुंजीशब्द, लेखक/उपलेखक का नाम, पता, ईमेल और संपर्क नंबर सहित) की सॉफ्ट कॉपी (200-250 शब्द MS Word) में 30 अक्टूबर 2025 तक cdoeconference2025@gmail.com ईमेल पर भेजें। हिंदी और डोगरी के आलेख **यूनिकोड मंगल फ़ॉन्ट, फ़ॉन्ट आकार 14,** अंग्रेजी के **टाइम्स न्यू रोमन, फॉन्ट आकार 12,** उर्दू के **यूनिकोड नूरी नस्तलीक़, फॉन्ट आकार 16 (Unicode Noori Nastaliq, font size 16)** और पंजाबी के **यूनिकोड रावी, फॉन्ट आकार 14 (Unicode Ravi, font size 14)** में होने चाहिए। शोध सारांश स्वीकार होने के पश्चात पंजीकरण, रहने की व्यवस्था व टैरिफ सम्बन्धित जानकारी प्रदान की जाएगी। प्रपत्र भेजने की अंतिम तिथि 15 नवंबर 2025 है। शोधपत्र कम से कम 2500-4000 शब्दों में होना चाहिए।

(Submission of abstracts are invited in Hindi, English, Urdu, Punjabi and Dogri Languages. Soft copies of abstract (including five keywords, name, address, and email id and contact number of the Author/Co-author) should be sent in MS Word format (200-250 words) by October 30, 2025, on the email id cdoeconference2025@gmail.com**. After the acceptance of abstracts details regarding registration and accommodation with tariff shall be provided. The deadline for submission of full paper is Nov. 15, 2025. Research paper should be between 2500-4000 words.**

पंजीकरण शुल्क विवरण
Details of the Registration fee

पंजीकरण शुल्क Registration fee	लेखक Author	उपलेखक Co-Author
विद्यार्थी (Student)	250	250
शोधार्थी (Researcher)	500	500
प्राध्यापक (Faculty)	1000	1000

पूछ-ताछ के लिए सम्पर्क करें : 7006067831, 9055384937
For any inquiry contact: 7006067831, 9055384937

संयोजक
(Convener)
प्रो. अंजु शर्मा
(Prof. Anju Sharma)
दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र
(Centre for Distance and Online Education)
जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू
(University of Jammu, Jammu)